CSU/Lib/Pur/2022-23

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

Central Sanskrit University, New Delhi

दिनांक 10.02.2023

पुस्तक परिचर्चा

सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से दिनांक 10.02.2023 दिन शुक्रवार सायं 4 बजे से पुस्तकालय में मासिक पुस्तक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

पुस्तक परिचर्चा में विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो. मदनमोहन पाठक ने अपना उद्बोधक दिया एवं अध्यक्षता प्रो. बनमाली विश्वाल जी ने किया।

परिचर्चा में विश्वविद्यालय के नवागत शोध छात्र प्रेम नारायण पाण्डेय ने मंगला चरण किया, एवं डॉ अमृता कौर ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। डॉ अमृता कौर ने IKS पुस्तक The India They Saw (Sandhya Jain) पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त किए। एवं फागुणी जैसी आंचलिक कहानियों के संस्कृत अनुवाद कराए जाने की आवश्यकता को उठाया।

पुनः चर्चा में डॉ चक्रधर मेहर जी तीन खण्डों में उपलब्ध पुस्तक Ancient Indian Low (K.N. Tiwari) पर अपने सारगर्भित विचार प्रकट करते हुए पुस्तक की समीक्षा की।

पुनः प्रो. रमण मूर्ति मूर्ति जी ने Science & Technology in Ancient Indian Texts (Editor Balram Singh, Girish Nath Jha) पर समीक्षा दी, पुस्तक की महत्ता समझाने के लिए अपने जार्ज बर्नाड शॉ की एक रोचक कथा को भी माध्यम बनाकर प्रस्तुत किया।

परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुए डॉ छोटी बाई मीना जी फागुणी पुस्तक की कहानियों पर प्रकाश डाला एवं अपसार रुप में उनकी समीक्षाएं की।

पुनः डॉ सुनीता ने Vastu Shastra पुस्तक उपर अपने विचार प्रस्तुत किए एवं इस क्रय में वासु दोष पर भी चर्चा की।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. बनमाली विश्वाल जी ने पुस्तक परिचर्चा के महत्व आदि सम्प्रति मुख्यालय में इसकी उपयोगिता को समझाते हुए पुस्तकों पर विस्तृत चर्चा की, इस सन्दर्भ में आपने फागुणी (डॉ वीरेन्द्र बर्तवाल) Indian Knowledge systems (Kapil Kapoor, Avadesh Kumar) पर भी अपना वक्तव्य दिया। सभा के दौरान सर्वसहमति से सभी प्रतिभागियों एवं अध्यक्ष महोदय ने भी e- certificate प्रदान किए जाने की अनुशंसा की। सभा का संचालन श्रीमती स्नेहलता उपाध्याय ने किया इस सभा में डॉ अमृता कौर. डॉ चक्रधर मेहरड डॉ छोटी बाई मीना, प्रो. रमण मूर्ति, डॉ सुनीता, शोध छात्र प्रेम नारायण

पाण्डेय, प्रो. मदन मोहन पाठक एवं प्रो. बनमाली विश्वाल जी की उपस्थिति से सभा की शोभा बढ़ाई। श्रीमती रामवती एवं पिंकी ने जलपान व्यवस्थापन में सहयोग किया।

विशिष्ट अतिथि प्रो. मदनमोहन पाठक ने पुस्तक परिचर्चा की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं पुस्तकों के अध्यापन का महत्व बताया, इसकी प्राचीन परम्परा पर अपना उद्बोधन दिया। सभा का संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता उपाध्याय ने किया।

Book Discussion

With the approval of the competent authority, a monthly book discussion was organized in the library on 10.02.2023 from 4 pm on Friday.

As a special guest in the book discussion, Prof. Madanmohan Pathak gave his address, which was presided over by Prof. Banmali Biswal.

In the discussion, Prem Narayan Pandey, a new research student of the University, performed Mangalacharan, and Dr. Amrita Kaur welcomed all the members present. Dr. Amrita Kaur expressed her views on the IKS book, "The India They Saw" (Sandhya Jain), and raised the need for Sanskrit translation of regional stories like Faguni.

In re-discussion, Dr. Chakradhar Mehar reviewed the book, expressing his abstract views on the book Ancient Indian Law (K.N. Tiwari), available in three sections.

Again Prof. Raman Murthy gave a review on Science & Technology in Ancient Indian Texts (Editor Balram Singh, Girish Nath Jha), presented an interesting story of George Bernard Shaw as a medium to explain the importance of the book.

Taking the discussion forward, Dr. Chhoti Bai Meena Faguni threw light on the stories of the book and reviewed them in different ways.

Again Dr. Sunita presented her views on the book Vastu Shastra and also discussed Vastu Dosh in this purchase.

In the presidential address, Prof. Banmali Bishwaal gave a detailed discussion on books, explaining the importance of book discussion etc. and its usefulness in the headquarters, and in this context he also gave his statement on Faguni (Dr. Virendra Bartwal) Indian Knowledge systems (Kapil Kapoor, Avadesh Kumar). During the meeting unanimously all the participants requested the chairman to provide e-certificate. Mrs. Snehlata Upadhyay conducted the meeting. In this meeting, Dr. Amrita Kaur. Dr. Chakradhar Meher, Dr. Chhoti Bai Meena, Prof. Raman Murthy, Dr. Sunita, Research Scholar Prem Narayan Pandey, Prof. Madan Mohan Pathak. The participated gathering was graced by the presence of Banamali Biswal. Mrs. Ramvati and Pinki cooperated in the arrangement of refreshments.

Special guest Prof. Madanmohan Pathak praised the book discussion and told the importance of teaching of books, gave his address on its ancient tradition. The meeting was conducted by the Assistant Librarian Mrs. Snehlata Upadhyay.

Sneh 10.2.23

सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष
Assistant Librarian

B. Mishra 10/02/2023

अधिष्ठाता शैक्षिक वृत्त
Dean (Academic Affairs & Students Welfare)